नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

बजट अनुमान 2025–2026 पर

महापौर का अभिभाषण

" बेटी अब बेबस नहीं, कहानी नई लिख रही है,
हाथों में कलम लिए, शहर की तक़दीर गढ़ रही है।
रायपुर की गलियों से चलकर, जो धीरे–धीरे आगे बढ़ी,
वही बेटी, अब शहर की एक नई पहचान लिख रही है।। "

माननीय अध्यक्ष महोदय,

रायपुर शहर की पहचान एक ऐसे प्रगतिशील शहर के रूप में है, जो अपने गौरवशाली अतीत व यशगाथा से पूरे देश में अपनी ख्याति बिखेरता है। अतीत में कल्चुरी राजवंश की राजधानी के रूप में सुशोभित रायपुर को पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न श्रद्धेय स्व. अटल बिहारी वाजपेयी जी के दूरगामी सोच के अनुरूप छत्तीसगढ़ राज्य निर्माण के उपरांत वर्ष 2000 में राजधानी के रूप में एक नई पहचान मिली। उद्योग, व्यवसाय, शिक्षा, खेल, शौर्य, कला, संस्कृति, विरासत, साहित्य, रंगमंच, जैसी अनगिनत विधाओं व उनके साधकों से रायपुर को विश्वव्यापी प्रसिद्धि मिली है। विभिन्न राज्यों से आकर यहां बसे शहरवासियों के साथ रची–बसी संस्कृति, सामाजिक समरसता, सहिष्णुता, सहजता हमारे शहर रायपुर को सतरंगी पहचान देती है। यहां के बड़े इस्पात व एलॉय प्लांट रायपुर को **"स्टील हब"** के रूप में विश्व पटल पर स्थापित करते हैं, वहीं सीमेंट, एल्युमिनियम व कृषि आधारित उद्योगों के साथ ही रायपुर शहर के पंडरी कपड़ा मार्केट, मालवीय रोड और गोल बाजार जैसे व्यावसायिक केन्द्र समीपवर्ती राज्यों में व्यापारिक गतिविधियों के पसंदीदा बाजार के रूप में चिन्हित हैं। केन्द्र की सरकार ने यहां एम्स, आई.आई.एम., एन.आई.टी., एच.एन.एल.यू. जैसे राष्ट्रीय स्तर के शैक्षणिक संस्थानों की सौगात देकर युवाओं के कैरियर को संवारने व उनकी प्रतिभा को तराशकर रोजगार मूलक संस्थानों से जोड़ने की जो पहल की है, वह हर पीढ़ी के लिए एक वरदान है।

सभापति महोदय,

हमारा यह सौभाग्य है कि आधुनिक भारत के सांस्कृतिक अग्रदूत स्वामी विवेकानंद जी ने कलकत्ता शहर के बाद सर्वाधिक समय रायपुर शहर की पावन भूमि में व्यतीत किया। भारतीय रंगमंच के महानायक हबीब तनवीर, संगीतज्ञ शेखर सेन, कला जगत के ख्यातिलब्ध व्यक्तित्व डॉ. सुरेन्द्र दुबे, भारती बंधु, कुमारी देवयानी, रंजना गौहर, साहित्यकार विनोद कुमार शुक्ल, पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी, अख्तर हुसैन रायपुरी, हरि ठाकुर, पंडित शुकलाल प्रसाद पांडेय, लोचन प्रसाद पांडेय जैसे कई महान विभूतियों को माँ सरस्वती का आशीर्वाद मिला। छत्तीसगढ़ की धरती की सेवा कर मान बढ़ाने वाले ऐसे सभी विभूतियों के प्रति न केवल रायपुर शहर, बल्कि संपूर्ण छत्तीसगढ़ इनकी साधना को नमन करता है और अपनी कृतज्ञता व्यक्त करता है। हमारे लिये अत्यंत हर्ष का विषय है कि साहित्यकार विनोद शुक्ल जी को 59वां ज्ञानपीठ पुरूस्कार से सम्मानित किया जा रहा है। नगर निगम रायपुर का यह सदन रायपुर और संपूर्ण छत्तीसगढ़ का मान बढ़ाने के लिए उन्हें बधाई व शुभकामनाएं दे रहा हैं।

माननीय प्रधानमंत्री आदरणीय श्री नरेन्द्र मोदी जी के मार्गदर्शन में आज भारतीय गणतंत्र पूरे सम्मान एवं स्वाभिमान के साथ अंतर्राष्ट्रीय पटल पर अपनी उपस्थिति व उपयोगिता के शिखर पर है। छत्तीसगढ़ राज्य, विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र व प्रभावशाली राष्ट्र भारत का मान बढ़ाने और कर्मवीरों के हौसलों को ताकत देते हुए हर राष्ट्रीय अस्मिता के प्रयासों में कदम से कदम मिलाकर अपना साथ दे रहा है। छत्तीसगढ़ की राजधानी और ऐतिहासिक शहर होने के नाते रायपुर पुरातन काल से ही प्रदेश के दूसरे नगरों व कस्बों के लिए मार्गदर्शक की भूमिका में रहा है।

" रख हौसला वह मंजर भी आएगा,
प्यासे के पास चलकर समंदर भी आएगा,
थक कर ना बैठ ऐ मंजिल के मुसाफिर,
मंजिल भी मिलेगी, मिलने का मजा भी आएगा। "

मुख्यमंत्री आदरणीय श्री विष्णुदेव साय जी के मार्गदर्शन व उपमुख्यमंत्री और नगरीय प्रशासन विकास विभाग के भारसाधक मंत्री आदरणीय श्री अरूण साव जी के कुशल निर्देशन में अंततः रायपुर अपनी जिम्मेदारियों को पूरा करने संपूर्ण ऊर्जा के साथ सुशासन की राह पर अब चल पड़ा है। छत्तीसगढ़ की विष्णुदेव साय सरकार ने वर्ष 2024 को **"विश्वास वर्ष"** निरूपित किया और प्रदेशवासियों ने इस एक वर्ष के कार्यकाल की मुक्तकंठ सराहना करते हुए लोकसभा चुनाव के बाद विधानसभा, नगरीय निकाय व पंचायत चुनाव में अपना ऐतिहासिक समर्थन देकर ट्रिपल इंजन की सरकार पर अपने विश्वास की मुहर लगाई है। रायपुर के महापौर के रूप में मेरे शहर के सम्मानित मतदाताओं ने मुझे और नव–निर्वाचित परिषद् को जो मान–सम्मान व जिम्मेदारी दी है, मैं विश्वास दिलाती हूँ कि शहर के महिलाओं, बच्चों, युवाओं, वरिष्ठ नागरिकों और हर जरूरतमंद परिवारों के आत्म–सम्मान, आम नागरिकों के स्वाभिमान और गौरवगान के साथ सेवा व सुविधाओं के निरंतर उन्नयन हेतु पूर्ण समर्पण व संकल्प के साथ हमेशा अग्रसर रहूँगी।

माननीय सभापति महोदय,

छत्तीसगढ़ राज्य के गठन के उपरांत राजधानी रायपुर सहित छत्तीसगढ़ के समग्र विकास के संकल्प के साथ हम तेज कदमों से आगे बढ़े। पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह और उनकी सरकार ने पूरी जिम्मेदारी से इस दिशा में काम किया। उस दौर में अधोसंरचना विकास, नैसर्गिक संसाधनों व नवाचारों के बल पर आगे बढ़ते छत्तीसगढ़ में साकार रूप ले रही जन–सुविधाओं व सेवाओं के स्पंदन को हर नागरिक ने महसूस किया। युवाओं के लिए नालंदा परिसर, अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम, अत्याधुनिक महानगरीय सुविधाओं से जुड़े विश्वस्तरीय यातायात प्रबंधन प्रणाली, पं. दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम जैसे प्रेक्षागृह, अंतर्राज्यीय बस स्टैंड, सबसे पुराने व्यापारिक केन्द्र के रूप में जवाहर बाजार के जीर्णोद्धार जैसे वृहद परियोजनाओं की नींव उस दौर में रखी गई एवं रायपुर को नया आयाम देने बड़ी परियोजनाओं की परिकल्पना की गई।

" शहर की रौशनी में कई बार जो बड़े नज़र आते हैं,
असल में ये वही चेहरे है, जो अंधेरे फैलाते हैं। "

सुशासन व सुव्यवस्थित विकास की संकल्पना वाली रमन सरकार के दौर के ठीक बाद एक ऐसा अल्प विराम भी प्रदेश ने देखा है, जहां विकास गतिविधियां प्रभावित हुईं।

" मेरे शहर में मैंने एक अल्प विराम देखा है,
पूर्ण का आधा, पर एक सम्पूर्ण विराम देखा है। "

अराजकता, अपराध, भ्रष्टाचार व निरंकुशता के अंधेरे से परेशान नागरिकों ने बदलाव का मार्ग चुना और पारदर्शिता से काम करने वाली सरकार के तौर पर सेवा की बागडोर विष्णुदेव साय सरकार को सौंपकर अपना भरोसा जताया।

शहर विकास हेतु अपना निरंतर मार्गदर्शन प्रदान करने वाले माननीय मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय जी, माननीय उपमुख्यमंत्री एवं नगरीय प्रशासन मंत्री श्री अरूण साव जी, माननीय उपमुख्यमंत्री एवं गृहमंत्री श्री विजय शर्मा जी, रायपुर जिले के प्रभारी मंत्री श्री केदार कश्यप जी, रायपुर लोकसभा सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल जी, विधायक रायपुर (पश्चिम) श्री राजेश मूणत जी, विधायक रायपुर (दक्षिण) श्री सुनील सोनी जी, विधायक रायपुर (उत्तर) श्री पुरंदर मिश्रा जी, विधायक रायपुर (ग्रामीण) श्री मोतीलाल साहू जी, विधायक धरसींवा श्री अनुज शर्मा जी, नगर निगम रायपुर के सभापति आदरणीय श्री सूर्यकांत राठौड़ जी, नेता प्रतिपक्ष आदरणीय श्री संदीप साहू जी एवं सभी पार्षदगणों का अभिनंदन करती हूँ एवं मेरा विश्वास है कि रायपुर शहर के समग्र व सर्वांगीण विकास में दलगत राजनीति से उठकर हमारे सभी जनप्रतिनिधियों के अनुभव व मार्गदर्शन का लाभ इस नव निर्वाचित परिषद् व रायपुर में निवासरत हमारे पूरे परिवारजनों को हमेशा मिलता रहेगा।

बजट सत्र में उपस्थित लोकतंत्र के प्रहरी व चतुर्थ स्तंभ के रूप में प्रतिष्ठित रायपुर शहर के मीडिया समूहों के प्रतिनिधियों, नगर के गणमान्य नागरिकों, सामाजिक, व्यावसायिक संगठनों व स्वयंसेवी संस्थाओं का भी हृदय से अभिनंदन करती हूँ, जिनका बहुमूल्य सुझाव व मार्गदर्शन अपनी जिम्मेदारियों को पूरा करने में हम सभी को समय–समय पर प्राप्त होता रहा है। सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों के सतत् परिश्रम व अथक सहयोग को भी मैं साधुवाद देती हूँ, जिनके प्रयासों से रायपुर के विकास व जन सुविधाओं के विस्तार को एक नई दिशा

देने की यात्रा हमनें शुरू की है और यह परिषद् जनसुविधाओं व नागरिक सेवाओं की दस्तक हर घर तक पहुंचाने के लिए अग्रसर व उत्साहित है।

सभापति महोदय,

" पसीने की स्याही से, जो लिखते हैं इरादे,
उसके मुकद्दर के सफेद पन्ने, कभी कोरे नहीं होते। "

रायपुर की जनता ने नव निर्वाचित परिषद् पर ऐतिहासिक विश्वास व्यक्त किया है और यह परिषद् भी उनके विश्वास की पूर्ति व शहर के अभूतपूर्व विकास के लिए समर्पित है। योजनाओं एवं कार्यक्रमों का निर्धारण करते समय आने वाली पीढ़ियों की तरक्की व खुशहाली का ध्यान रखा जायेगा। नागरिकों के भविष्य के अनुरूप अधोसंरचनाओं की नींव निर्धारित की जायेगी, इनके जीवन स्तर को बेहतर बनाने के उद्देश्य के साथ प्रगति, समानता, स्थिरता व सुगमता का लक्ष्य हमनें तैयार किया है। जन स्वास्थ्य, स्वच्छता, पर्यावरणीय स्थिरता, रोजगार सृजन, कौशल प्रशिक्षण, सामाजिक कल्याण के साथ सशक्तिकरण, जन सहभागिता व पारदर्शिता हमारी योजनाओं एवं कार्यक्रमों के मूल आधार हैं।

आज के प्रथम बजट सत्र में प्रस्तुत होने वाला बजट रायपुर शहर की आवश्यकताओं एवं जन आकांक्षाओं को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है ताकि शहरवासियों को कोई कठिनाई न हो तथा उन्हें सभी आवश्यक सुविधाएं नियमित रुप से मिलती रहें। केन्द्र सरकार के वर्तमान बजट के अनुरूप शहरी चुनौती निधि से अपनी चिन्हित महत्वपूर्ण परियोजनाओं को वित्त पोषित करने के लिए रायपुर नगर निगम बॉंड भी जारी करेगा, इस दिशा में पहली बार यह परिषद् पूरी तैयारियों के साथ जनता की सेवा में जुटने जा रही हैं। मेरा विश्वास है कि बीते वर्षो में जो भी कमियां महसूस हुई हैं उन्हें इस प्रथम बजट के साथ ही दूर करने का प्रयास किया गया है तथा "**सर्वेषां मंगलम् भूयात् "** के पावन संकल्प के साथ यह प्रयास निरंतर जारी रहेगा ।

" कश्ती चलाने वाले ने जब हार कर दी पतवार हमें,
लहर–लहर तूफान मिले और मौज–मौज मझधार हमें,
फिर भी दिखाया है हमने और फिर ये दिखा देंगे सबको,
इन हालातों में आता है दरिया करना पार हमें। "

सभापति महोदय,

शहर के निर्वाचित परिषद और जनप्रतिनिधियों का यह उत्तरदायित्व होता है कि अपने शहर के नागरिकों की अपेक्षाओं, उम्मीदों व आशाओं के अनुरूप विकास योजनाएं तैयार करें, लोक सेवकों के साथ मिलकर नीतियों का निर्धारण करें और हर घर तक योजनाओं एवं कार्यक्रमों से नागरिकों के जीवन में बड़ा सकारात्मक बदलाव दिखे।

सभापति महोदय,

मुझे यह कहते हुए अत्यंत ही दुःख, क्षोभ और निराशा हो रही है कि शहरी सुविधाओं के विस्तार के लिए जिम्मेदार रही पिछली सरकार ने अत्यंत ही निराशाजनक प्रदर्शन करते हुए रायपुर जैसे नगर जो स्वयं अपनी क्षमताओं के साथ आगे बढ़ने का हौसला रखता है उसे पीछे धकेलने का काम किया है। आम नागरिकों की उम्मीदें तोड़कर पिछले सालों से सत्ता में रही शहरी सरकार ने रायपुर नगर निगम जैसी कल्याणकारी संस्था को कुशासन, कुव्यवस्था, भ्रष्टाचार, हवा–हवाई झूठे वायदों और अक्षमताओं का जीता–जागता पावर सेंटर बना दिया। नगरीय निकायों के आधारभूत संरचना को बदलकर जनता के सीधे अधिकार पर डाका डालने में भी पिछली की सरकार ने शर्म महसूस नहीं की और महापौर चुनने तक का अधिकार शहरवासियों से छीनने में पीछे नहीं रही। भाजपा की विष्णुदेव सरकार ने फिर से अपने प्रदेश के शहरवासियों को यह अधिकार वापस लौटाया है और आम नागरिकों से मिले अपार स्नेह, आशीर्वाद और समर्थन से निर्वाचित महापौर के तौर पर आज शहरवासियों की सेवा के लिए उपस्थित हूं।

बीते वर्षों में शहर की जनता ने ऐसी शहरी सरकार देखी है जिनके पास न तो कोई इच्छा शक्ति रही, न ही क्षमता रही और न ही जनता की सेवा का कोई विज़न इनके पास रहा। इसका परिणाम यह हुआ कि शहर विकास की गति पूरी तरह से थम गई और झूठे वादों से हर साल विकास की बड़ी तस्वीर दिखाते बजट पटल पर रखे जाते तो रहे पर जनता की न तो तकदीर बदली और न ही इस शहर की कोई तासीर बदली। इन वर्षों में किए गए बड़े वादों की ही बात यदि मैं करूं तो इस आइने में इनके नीयत की झलक साफ दिखायी देती है। अफसोस के साथ कहना पड़ रहा है कि ऐसे झूठे वादे से शहर पूरी तरह से बदहाल होता रहा। विगत सालों में रायपुर की जनता के अनुत्तरित सवालों का वो साल रहा है, जिसे नेता प्रतिपक्ष के तौर पर मैं और मेरे साथी मिलकर आम नागरिकों की आवाज बनकर हर मंच पर उठाकर इन्हें जगाने का काम करते रहे।

पिछला कार्यकाल सपनों के नाम रहा, सपनों के दाम रहा,
सपनों के घोड़ों पर बैठे शहंशाह पर, किसी का लगाम न रहा।

अनगिनत झूठे वायदों से सजाकर जो बजट पिछली शहरी सरकार ने पेश किया था और केवल केंद्र प्रवर्तित योजनाओं जैसे– स्मार्ट सिटी मिशन, अमृत मिशन, स्वच्छ भारत मिशन, वित्त आयोग की राशि व संसाधनों से तैयार किए गए इन्फ्रास्ट्रक्चर को अपनी उपलब्धियों के तौर पर दिखाकर केवल वाह–वाही लूटने का प्रयास करती रही। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर को गरिमामय स्वरूप में विकसित करने की जिम्मेदारी निभाने में पूर्ववर्ती सालों में मेयर पूरी तरह असफल रहे।

अब पूरी पारदर्शिता, जवाबदेही व दूरदर्शिता से योजनाओं के निर्धारण और क्रियान्वयन की जिम्मेदारी निभाने हम तैयार हैं। शहर में युवाओं व महिलाओं के रोजगार, शिक्षा, कौशल विकास, सुरक्षा व स्वावलंबन की गतिविधियों की योजनाओं पर हमारा पूरा फोकस है। तालाबों के शहर हमारे रायपुर के प्रमुख तालाबों के संरक्षण संवर्धन विशेषकर जलकुंभियों के उन्मूलन की दिशा में ठोस पहल हम करने जा रहे हैं।

वरिष्ठ नागरिकों की सुविधाओं के अनुरूप आमोद–प्रमोद स्थलों को विकसित करने की हमारी योजना है। उद्यानों, खेल परिसरों के जीर्णोद्धार, स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता, शहरी स्वच्छता, सार्वजनिक स्थलों पर सुरक्षा प्रबंधन, सुगम यातायात के साथ सार्वजनिक परिवहन प्रबंधन प्रणाली का उन्नयन हमारी प्राथमिकता है। छोटे, मध्यम व बड़े व्यवसाय के अनुरूप बाजारों के विकास के साथ ही गलत नीति व दोषपूर्ण बनावट के कारण बरसों से अनुपयोगी व रिक्त पड़े कई व्यावसायिक परिसरों को ठोस रणनीति के साथ उपयोगी बनाने की दिशा में काम कर यह परिषद नागरिक सेवाओं का विस्तार करेगी।

बीते वर्षों के पश्चात नगर पालिक निगम में जन आकांक्षाओं को पूरा करने का अनुकूल समय आया है। आप सबके सहयोग से अब रायपुर शहर का सर्वांगीण विकास होगा, विश्वस्तरीय सुविधाएं विकसित होंगी, युवाओं के सपने साकार होंगे और शहर की अपनी एक विशिष्ट पहचान बनेगी।

" हमने बनाया है, हम ही सवांरेंगे,
रायपुर को स्वर्ग सा निखारेंगे।
हर गली हर मोड़ चमकायेंगे
नव निर्माण की लौ जलायेंगे।
बजट हमारा विकास की पहचान,
नये सपनों को देंगे सम्मान।। "

भारतीय अस्मिता व राष्ट्रीय स्वाभिमान के प्रतीक पुरुष हमारे प्रधानमंत्री माननीय श्री नरेन्द्र मोदी जी के आह्वान पर गांव की पगडंडियों से शहर की गलियों तक के हर घर ने सुशासन के सूर्योदय को आमंत्रण देते हुए पूर्ण बहुमत के साथ हम सभी को जो जिम्मेदारी सौंपी है, आज उन्हीं जिम्मेदारियों को पूरा करने रायपुर शहर की महापौर के रूप में वर्ष 2025–26 का बजट आप सभी के समक्ष प्रस्तुत करने के लिए उपस्थित हूँ।

इस वित्तीय वर्ष राजस्व वसूली का अनुमानित लक्ष्य 251 करोड़ 91 लाख 22 हजार रूपए निर्धारित किया गया है।

1. पिछले वित्तीय वर्ष 2024–25 में कुल वार्षिक 1901 करोड़ 31 लाख 93 हजार का बजट था, परंतु केवल 819 करोड़ 19 लाख 30 हजार का व्यय किया गया।
2. वित्तीय वर्ष 2023–24 में कुल वार्षिक 1608 करोड़ 74 लाख 43 हजार का बजट था, परंतु केवल 889 करोड़ 66 लाख 87 हजार का व्यय किया गया।
3. वित्तीय वर्ष 2022–23 में कुल वार्षिक 1475 करोड़ 15 लाख 23 हजार रूपए बजट था, परंतु केवल 980 करोड़ 58 लाख 90 हजार का व्यय किया गया।

" वो झूठ बोल रहा था बड़े सलीके से,
मैं ऐतबार नहीं करती, तो और क्या करती। "

इस वर्ष हमने सत्यता के साथ बजट प्रस्तुत रहे हैं जिसका अनुमान निम्नानुसार है :–

क्रमांक	मुख्य लेखा शीर्ष	बजट अनुमान 2024–25
01	प्रारंभिक शेष	67 करोड़ 11 लाख 41 हजार
02	कुल वार्षिक आय	1462 करोड़ 41 लाख 87 हजार
	योग	**1529 करोड़ 53 लाख 28 हजार**
03	**कुल व्यय**	**1528 करोड़ 73 लाख 83 हजार**
	अंतिम शेष	**79 लाख 45 हजार का फायदा**

आय

रायपुर नगर निगम के आगामी वित्तीय वर्ष 2025–26 के लिए आय का कुल अनुमान 1462 करोड़ 41 लाख 87 हजार रू. है, जिसमें पूंजीगत आय 856 करोड़ 58 लाख 42 हजार, डिपाजिट वर्क आय 46 करोड़ 17 लाख 25 हजार रू. है।

अन्य राजस्व प्राप्तियां निम्नानुसार है :–

क्रमांक	**राजस्व प्राप्तियां**	**राशि**
01	दर तथा कर	204 करोड़ 67 लाख 06 हजार
02	किराया पट्टों से आय	11 करोड़ 30 लाख
03	फीस एवं शुल्क	50 करोड़ 86 लाख 32 हजार
04	अन्य स्वच्छता प्रभार	37 करोड़ 98 लाख 38 हजार
05	विविध	15 करोड़ 56 लाख 31 हजार
06	अनुदान एवं अंशदान	239 करोड़ 28 लाख 13 हजार

व्यय

नगर निगम रायपुर के बजट वर्ष 2025–26 के प्रमुख व्यय अनुमान इस प्रकार है :–

मांग क्रमांक 01

वित्त लेखा एवं अंकेक्षण :– इस विभाग से संबंधित कुल व्यय 79 करोड़ 64 लाख 54 हजार का अनुमान है जिसमे (6 एवं 7 वेतनमान) महंगाई भत्ता बकाया भुगतान एवं कर्मचारियों के पुनरीक्षित वेतनमान के भुगतान हेतु 05 करोड़ का व्यय एवं पेंशन भुगतान किये जाने हेतु 50 करोड 60 हजार का प्रावधान भी सम्मिलित है।

मांग क्रमांक 02

सामान्य प्रशासन एवं विधायी कार्य विभाग :– उक्त विभाग हेतु कुल व्यय प्रस्ताव 43 करोड़ 88 लाख 37 हजार रू. का है।

मांग क्रमांक 03

नगरीय नियोजन एवं भवन अनुज्ञा विभाग :– इस विभाग से संबंधित व्यय का कुल प्रस्ताव 14 करोड़ 25 लाख 37 हजार रू. है, जिसमें भू–अर्जन/भूमि का क्षतिपूरक मुआवजा 02 करोड़ रू. का प्रावधान किया गया है।

मांग क्रमांक 04

लोक कर्म विभाग :– लोक कर्म विभाग से संबंधित कार्यों के लिए कुल प्रस्ताव 97 करोड़ 03 लाख 56 हजार रू. का प्रावधान है, इसके अंतर्गत प्रावधानित मुख्य विकास कार्य निम्नलिखित है :–

1.	बड़े नालों का निर्माण	–	05 करोड़
2.	सीमेंट मार्ग निर्माण	–	01 करोड़
3.	मार्ग का डामरीकरण	–	05 लाख
4.	जोन कार्यालय एवं प्रत्येक वार्ड मे कार्यालय भवन हेतु	–	02 करोड़
5.	फुटपाथ एवं पेवर निर्माण	–	50 लाख
6.	चौराहों का पुनर्विकास	–	10 करोड
7.	नाली निर्माण	–	05 करोड़
8.	डब्लू.बी.एम. मार्ग	–	01 करोड़
9.	महापौर निधि	–	02 करोड़ 25 लाख
10.	अध्यक्ष निधि	–	01 करोड़ 50 लाख

मांग क्रमांक 05

जल कार्य विभाग :– इससे संबंधित व्यय का अनुमान 68 करोड़ 25 लाख 18 हजार रू. का है, जिसमें पेयजल परिवहन कार्य हेतु 01 करोड 50 लाख एवं पॉवर पंप क्रय/ स्थापना कार्य हेतु 30 लाख एवं जल व्यवस्था हेतु 02 करोड़ का प्रावधान है।

मांग क्रमांक 06

राजस्व विभाग :– राजस्व विभाग हेतु 14 करोड़ 52 लाख 63 हजार व्यय का प्रस्ताव है।

मांग क्रमांक 07

खाद्य लोक स्वास्थ्य एवं स्वच्छता :– वित्तीय वर्ष 2025–26 में इस विभाग हेतु 77 करोड़ 55 लाख 27 हजार का प्रावधान रखा गया है, प्रमुख व्यय मच्छर उन्मुलन, आवारा कुत्तों के बधियाकरण, सॉलिड वेस्ट मेनेजमेंट, मषीन क्रय, सफाई मित्र योजना, चिकित्सालयों हेतु दवाई एवं उपकरण पर, व्यय किये जाने हेतु प्रावधानित किया गया है।

मांग क्रमांक 08

विद्युत एवं यांत्रिकी विभाग :– इस विभाग हेतु 73 करोड़ 99 लाख 29 हजार रू. व्यय का अनुमान है, इसमें मुख्य रूप से मार्ग विद्युतीकरण हेतु 01 करोड़, सौर ऊर्जा से संबंधित कार्यो हेतु 50 लाख, विद्युत सामग्री क्रय हेतु 02 करोड़ व्यय का प्रावधान रखा गया है।

मांग क्रमांक 09

गरीबी उपशमन एवं सामाजिक कल्याण विभाग :– हेतु 88 लाख 60 हजार व्यय का प्रावधान है।

मांग क्रमांक 10

महिला एवं बाल विकास विभाग :– इस हेतु कुल 42 लाख 56 हजार का प्रस्ताव है, इसमे प्रमुख रूप से निगम क्षेत्र की निर्धन महिलाओं के लिए कुटीर उद्योगों के माध्यम से उन्हें स्व–रोजगार उपलब्ध कराने का प्रयास किया जायेगा।

मांग क्रमांक 11

अनुसूचित जाति अनुसूचित जनजाति कल्याण विभाग :– इस विभाग हेतु 07 करोड 89 लाख 57 हजार का प्रावधान है, साथ ही अनुसूचित जाति तथा जनजाति वार्डो के विकास कार्यो हेतु 06 करोड 60 लाख का प्रावधान है। इस वर्ग के युवाओं एवं महिलाओं को व्यवसायिक प्रशिक्षण देने का विशेष प्रावधान रखा गया है।

मांग क्रमांक 12

खेलकूद एवं युवा कल्याण विभाग :– खिलाड़ी के लिये खेल शिविर/खेल प्रशिक्षण/वार्षिक समारोह हेतु 02 करोड का प्रावधान किया गया है।

मांग क्रमांक 13

पर्यावरण एवं उद्यानिकी विभाग :– इस विभाग हेतु 27 करोड़ 10 लाख 90 हजार व्यय का प्रस्ताव है। इसमें मुख्य रूप से नवीन उद्यानों की स्थापना में 08 करोड़ 80 लाख, उद्यानों का संधारण 03 करोड 85 लाख़, खेलकूद सामग्री 02 करोड़ 20 लाख, वृक्षारोपण में 02 करोड़ 75 लाख का प्रावधान किया गया है।

मांग क्रमांक 14

संस्कृति एवं पर्यटन मनोरंजन एवं विरासत संरक्षण विभागइ :– इस विभाग हेतु 03 करोड़ 42 लाख 55 हजार रू. व्यय का प्रस्ताव रखा गया है। छत्तीसगढ़ी भाषा के प्रचार–प्रसार हेतु संगोष्ठियों के आयोजन एवं प्रोत्साहन हेतु, निगम कर्मचारियों एवं जनता के लिए संगीत क्लब एवं सांस्कृतिक क्लब के लिए विभिन्न प्रावधान किया गया है।

मांग क्रमांक 15

जोन व्यय :– जोन कार्यालयों के माध्यम से कुल 189 करोड़ 93 लाख 69 हजार व्यय प्रस्तावित किया गया है, जिसमें प्रमुख व्यय प्रस्ताव निम्नानुसार है :–

1.	सफाई ठेका	–	58 करोड़ 01 लाख 25 हजार
2.	गलियों का कांक्रीटीकरण	–	17 करोड़ 64 लाख 20 हजार
3.	मार्ग संधारण	–	10 करोड़ 77 लाख 54 हजार
4.	सामुदायिक भवन	–	07 करोड़ 74 लाख 98 हजार
5.	समस्त भवनो का वार्षिक संधारण	–	03 करोड़ 37 लाख 71 हजार
6.	नालियों का वार्षिक संधारण	–	06 करोड़ 95 लाख 38 हजार
7.	पार्षद निधि	–	05 करोड़ 25 लाख 29 हजार
8.	सार्वजनिक कुओं और तालाबों की सफाई	–	02 करोड़ 28 लाख 35 हजार

मांग क्रमांक 16

पूंजीगत व्यय के अंतर्गत कुल 789 करोड़ 89 लाख 50 हजार रू. व्यय का अनुमान है, जिसमें प्रमुख है :–

1.	सबके लिये आवास योजना	–	45 करोड
2.	अमृत मिशन योजना	–	05 करोड़
3.	खारून नदी में मिलने से पूर्व नालियों के पानी का शुद्धीकरण हेतु ट्रीटमेंट प्लांट	–	01 करोड
4.	अधोसंरचना मद	–	94 करोड़ 70 लाख
5.	नगर विकास योजना/मार्ग चौड़ीकरण	–	120 करोड़
6.	बी.एस.यू.पी.	–	01 करोड़
7.	आश्रय शुल्क	–	50 लाख़
8.	वार्षिक संधारण	–	15 करोड़
9.	पुष्पवाटिका योजना	–	80 लाख
10.	गोकुल नगर का विकास कार्य	–	80 लाख
11.	जिमखाना/व्यायाम शाला	–	02 करोड़
12.	सरोवर धरोहर योजना	–	01 करोड़ 50 लाख
13.	राजीव आवास योजना	–	20 लाख
14.	उन्मुक्त खेल मैदान योजना (पंडरी स्थित प्रगति मैदान सहित)	–	80 लाख
15.	पार्षदों की अनुशंसा के कार्य	–	04 करोड 78 लाख
16.	मुक्तिधाम योजना	–	80 लाख
17.	सार्वजनिक प्रसाधन योजना	–	80 लाख
18.	चौक चौराहो पर जेब्रा क्रॉसिंग का	–	01 करोड़
19.	पुरातात्विक एवं ऐतिहासिक स्थलो का जीर्णोद्वार एवं मरम्मत	–	01 करोड़
20.	पुष्प बाजार	–	15 लाख
21.	वार्डों में आगंतुकों के लिये पथ प्रदर्शक पट्टिका एवं महत्वपूर्ण स्थलों के सूचक	–	01 करोड़

22. धातु फ्रेम मे महापुरूषो
    की जीवनी लेख — 20 लाख

23. प्रत्येक जोन में ई–गवर्नेस की स्थापन ा– 50 लाख.

मांग क्रमांक 17

डिपॉजिट वर्क :– इस मद में 36 करोड़ 52 लाख 25 हजार रू. का प्रावधान रखा है, इसमें प्रमुख रूप से जिला योजना मंडल के कार्य, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, राष्ट्रीय परिवार सहायता योजना आदि के व्यय प्रावधानित हैं।

आदरणीय साथियों,

" लोग कहते हैं बदलता है जमाना अक्सर,
हम वो हैं जो जमाने को बदल देते हैं। "

सुव्यवस्थित नगर विकास और सुशासन से सुविधाओं की पहुंच की एक बड़ी जिम्मेदारी हम सभी को मिलकर पूरी करनी है। जन आकांक्षाओं के अनुरूप एक खुशहाल शहर के तौर पर रायपुर विश्व मानचित्र में स्वर्णाक्षरों से अंकित हो और हर परिवार के चेहरे पर अलौकिक मुस्कान से नगर विकास की दिशा निर्धारित हो, इस उत्तरदायित्व के साथ नगर पालिक निगम रायपुर के वित्तीय वर्ष 2025–26 का लेखा–जोखा सदन के पटल पर फायदे का बजट के साथ प्रस्तुत है, जिसे मेयर इंन काउंसिल की बैठक में दिनांक 20.03.2025 को पारित संकल्प क्रमांक (01) के आयुक्त, नगर पालिक निगम, रायपुर द्वारा प्रस्तुत बजट विचार–विमर्श उपरांत आवश्यक निर्देश–अनुदेश ग्रहित प्रस्ताव पेश कर रही हूँ।

रायपुर शहर के समग्र विकास और सुविधाओं के साथ इसे एक महानगर का स्वरूप देने के लिए माननीय मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय जी, केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य विभाग के राज्य मंत्री श्री तोखन साहू जी और उपमुख्यमंत्री श्री अरूण साव जी के प्रति आभार व्यक्त

करती हूं, जिन्होंने शहर की आवश्यकता को महसूस कर पदग्रहण उपरांत ही पिछले 18 माह के भीतर ही कई योजनाओं के लिए राशि की स्वीकृति प्रदान की। वर्तमान वित्तीय वर्ष का बजट व नवनिर्वाचित परिषद के कार्यकाल शुभारंभ के प्रथम वर्ष के साथ उन महत्वपूर्ण योजनाओं व कार्यक्रमों का जिक्र करना चाहूंगी जिससे हमारे शहर की विकास गतिविधियों को तेजी मिलेगी –

1. छत्तीसगढ़ शासन द्वारा रायपुर जिले में नालंदा परिसर की तर्ज पर युवाओं को अध्ययन की विश्वस्तरीय सुविधाएं सुलभ कराने हेतु 500 सीटर के 2 **सेंट्रल लाइब्रेरी सह रीडिंग जोन** निर्माण हेतु **राशि 2284.56 लाख** रूपए के नवीन मद की स्वीकृति प्रदान की है।
2. मुख्यमंत्री नगरोत्थान योजना के क्रियान्वयन हेतु नगर पालिक निगम रायपुर के लिए राज्य शासन द्वारा **राशि 9300 लाख** रूपए नवीन मद अंतर्गत शामिल किए गए हैं। इस योजना के तहत रायपुर के 18 प्रमुख रोड़ जंक्शन, महादेव घाट पुर्नउद्धार योजना फेस–1, तेलीबांधा चौक के समीप टेक्नों टावर तैयार किए जाएंगे जिसमें युवाओं के शैक्षणिक गतिविधियों हेतु को–वर्किंग स्पेस, ट्रेड और आई.टी. टावर आदि विकसित किए जाएंगे।
3. अधोसंरचना विकास योजना अंतर्गत विभिन्न महत्वपूर्ण कार्यों के लिए **राशि 3761 लाख** रूपए इस मद के अंतर्गत शामिल किया गया है। इसके तहत गौरवपथ एवं चौड़ीकरण कार्य एवं सी.ए.सी.बी. चौक से पचपेड़ी नाका तक रोड निर्माण हेतु **राशि 1500 लाख** रूपए, छुईया तालाब सौंदर्यीकरण हेतु **राशि 300 लाख** रूपए एवं ठक्कर बाबा वार्ड क्रमांक 17 में दो हजार किलो लीटर क्षमता एवं 25 मीटर स्टेजींग का नया जलागार निर्माण, राइजिंग लाइन, डिस्ट्रीब्यूशन लाइन, घरेलू कनेक्शन, पी.एल. सी. स्कोडा ऑटोमेशन कार्य हेतु **राशि 1961 लाख** रूपए का व्यय शामिल है।

महिला स्वावलंबन योजनांतर्गत के लिए :–

4. दीनदयाल अंत्योदय राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन के तहत् शहरी गरीबों/महिलाओं का आर्थिक सशक्तिकण किया जा रहा है। शहरी आजीविका मिशन के तहत् महिला स्व सहायता समूह की दीदीयों को **''बैंक लिंकेज''** से

जोड़कर आर्थिक सशक्तिकरण किया जायेगा साथ ही साथ उनके कौशल प्रशिक्षण/उनके द्वारा चुने गए व्यवसाय से संबंधित प्रशिक्षण करवाया जायेगा।

5. प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के तहत् अधिक से अधिक स्ट्रीट वेंडर्स को आत्मनिर्भर बनाने के साथ–साथ उनको डिजिटल लेनदेन का प्रशिक्षण दिया जायेगा एवं इनके परिवार के सदस्यों को शासन के अन्य योजनाओं का लाभ दिलवाया जायेगा।
6. Vending Zone के तहत् चिन्हांकित स्थानों को विकसित किया जायेगा। साथ ही साथ Market Development Plan के तहत् बाजारों को विकसित किया जावेगा।
7. तृतीय लिंग के समूहों को चिन्हांकित कर उनको/उनके रूचि के अनुसार प्रशिक्षण दिया जायेगा ताकि वे समाज की मुख्य धारा से जुड़ सकें एवं आर्थिक/सामाजिक रूप से सशक्त बन सके।
8. रायपुर शहर की कामकाजी महिलाओं की आवास संबंधी दिक्कतों को दूर करने रायपुर में तीन स्थानों पर कामकाजी **महिला–वसति गृह (Working Women's Hostel)** का निर्माण किया जाएगा।
9. सार्वजनिक स्थलों विशेषकर बाजारों व भीड़–भाड़ वाले क्षेत्रों में महिलाओं हेतु स्वच्छ व सुविधायुक्त महिला प्रसाधन गृह **(Women's Rest Room)** निर्मित किए जाएंगे, जिसमें **सेनेटरी वेंडिंग मशीन एवं बेबी फीडिंग रूम** भी स्थापित होंगे।
10. सार्वजनिक स्थलों पर महिला सुरक्षा विषयक प्रबंधन के तहत सर्विलेंस कैमरे स्थापित होंगे। महिला स्वावलंबन, सुरक्षा व सुविधा विस्तार हेतु इस बजट में प्रावधान किया गया है। जिसके लिए 20 लाख का बजट प्रावधान किया गया है।
11. रायपुर नगर निगम में स्वच्छ भारत मिशन के तहत् जोन कार्यालयों में स्थित महिला शौचालय में महिलाओं के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए सेनेटरी नेपकिन वेंडिंग मशीन एवं इंसीनेटर मशीन लगाया जाना है। वार्षिक कुल लागत 25.00 लाख का बजट प्रावधान किया गया है।
12. महिला स्वावलंबन व रोजगार सृजन गतिविधियों के प्रभावी संचालन हेतु राज्य शासन द्वारा राशि रूपए 10 करोड़ प्रदान किया गया है। इस राशि से गारमेंट फैक्टरी का संचालन किया जाएगा एवं स्थानीय महिलाओं व युवाओं को रोजगार से जोड़कर आर्थिक समृद्धि प्रदान की जाएगी।

युवा वर्ग के लिए :–

13. रायपुर में **युवाओं के लिए यूथ हॉस्टल** तैयार किए जाएंगे, साथ ही राष्ट्रीय व राज्य के प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारियों में जुटे युवा प्रतिभागियों के लिए नालंदा लाइब्रेरी की तर्ज पर रायपुर के अलग–अलग क्षेत्रों में **सर्व–सुविधायुक्त हाईटेक लाइब्रेरी** स्थापित की जाएगी, जिससे कि निवास क्षेत्र के आस–पास शांत व सुविधायुक्त वातावरण में पठन–पाठन की सुविधा युवाओं को मिल सकें। युथ हॉस्टल हेतु **राशि 15 करोड़ रुपए** एवं **नालंदा लाईब्रेरी हेतु 22.48 करोड़** का प्रावधान किया गया है।
14. नगर निगम में प्ले जोन तैयार किए जाएंगे, जिससे कि बच्चे व युवा खेल गतिविधियों से जुड़कर शहर के सामाजिक सद्भाव व खेल भावना से आगे बढ़ सकें। इस हेतु राज्य शासन द्वारा **2.5 करोड़ रूपए** की राशि प्रदान की गई है।

ऐतिहासिक / सांस्कृतिक प्रयोजन के लिए :–

15. रायपुर शहर के आध्यात्मिक व धार्मिक प्रसंगों के लिए प्रतिष्ठित **महादेव घाट के सौंदर्यीकरण की योजना** तैयार कर इस पर अमल शुरू किया जाएगा। इस हेतु राशि **रू. 15 करोड** का प्रावधानित है। साथ ही ऐतिहासिक धरोहरों का संरक्षण कार्य इस वित्तीय वर्ष में किया जायेगा।

व्यापारिक गतिविधियों को प्रोत्साहन हेतु :–

16. रायपुर शहर की व्यावसायिक गतिविधियां न केवल छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों के लिए महत्वपूर्ण है, बल्कि यहां से संचालित औद्योगिक और व्यावसायिक गतिविधियां निकटवर्ती राज्यों के लिए भी प्रमुख बिजनेस सेंटर के रूप में चिन्हित है, इसे ध्यान में रखते हुए रायपुर में **इलेक्ट्रॉनिक मार्केट, क्रिस्टल आर्केड कॉमर्शियल हब और ट्रेड टॉवर** जैसे महत्वपूर्ण बिजनेस हब तैयार किए जाएंगे, जहां युवा उद्यमियों को स्वरोजगार के साथ ही स्टार्ट–अप गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा। इस कार्य हेतु **राशि 219 करोड़ रुपए** का प्रावधान वर्तमान बजट में किया गया है।

द्विव्यांगजनो के लिए :–

17. दिव्यांगता किसी भी व्यक्ति के विकास में बाधा न बनें, इसके लिए समाज कल्याण विभाग के साथ समन्वय कर सार्थक कार्य योजना तैयार होगी। दिव्यांगता की शुरूआती पहचान के साथ ही साथ आत्म विश्वास से उन्हें आगे बढ़ने के अवसर प्रदान करने नगर निगम रायपुर उत्प्रेरक के तौर पर काम करेगा। रायपुर में सर्व चिकित्सकीय सुविधायुक्त **दिव्यांग पार्क, दिव्यांग फ्रेंडली भवन व प्रसाधन गृह** स्थापित होंगे। इस हेतु वर्तमान बजट में लगभग **राशि 10 करोड़ रुपए** का प्रावधान है।

नव रोजगार के लिए :–

18. जोन कार्यालय क्षेत्र अंतर्गत स्थल चयन कर चौपाटी का निर्माण किया जाएगा। इससे छोटे व्यापारियो/पथ विक्रेताओं को अपने व्यवसाय हेतु उपयुक्त स्थल प्राप्त होगा।
19. नवाचारों व स्टार्ट–अप गतिविधियों से युवा कल्याण व रोजगार सृजन कार्यक्रमों से जुड़कर **युवाओं के लिए नये कार्य स्थल एवं इनोवेशन सेंटर स्थापित** करने इस बजट में **राशि रु. 10 करोड़** का प्रावधान है।

तालाबो/उद्यानो के संरक्षण के लिए :–

20. रायपुर शहर की पहचान यहां के जलाशय हैं। इस वित्तीय वर्ष में रायपुर के **तालाबों के संरक्षण, संवर्धन** के साथ ही जल संचयन व जल अपव्यय रोकने पूरी जिम्मेदारी से प्रयास किए जाएंगे। जलकुम्भी हेतु निकास मशीनें क्रय किया जाएगा। जिससे क्रय की गई मशीनो के माध्यम से तालाबो के सफाई कार्य कराये जायेगें। रायपुर के विभिन्न उद्यानों के संधारण व जोरा तालाब, छुईया तालाब, करबला तालाब जैसे जलाशयों के पुनर्विकास के साथ ही रायपुर में पार्क विकसित किए जाएंगे। इस बजट में इसके लिए **राशि लगभग 30 करोड़ रुपए** का प्रावधान किया गया है।

यातायात व्यवस्था के लिए :–

21. रायपुर शहर तेजी से महानगर के स्वरूप में विकसित हो रहा है। अबाधित यातायात व सुव्यवस्थित आवागमन के लिए रायपुर नगर निगम क्षेत्र के अंतर्गत अंतर विभागीय सामंजस्य से उद्योग भवन राजेन्द्र नगर, सरोना, तेलीबांधा में फ्लाई ओव्हर का निर्माण किया जाएगा। शहर के **18 प्रमुख चौक–चौराहों का पुनर्विकास** करने के साथ ही इन्हें व्यवस्थित किया जाएगा। शहरी आवागमन प्रबंधन व अपराध नियंत्रण प्रणाली को सुदृढ़ करने निगरानी तंत्र विकसित किया जाएगा एवं इसके तहत सीसीटीवी कैमरे व आधुनिक सुविधाएं सुनिश्चित की जाएंगी। चिन्हित पार्किंग स्थलों पर **स्वचलित पार्किंग** की सुविधा होगी। शहर को धूल मुक्त करने सड़कों के डामरीकरण व रिक्त स्थलों के कांक्रीटीकरण व वृक्षारोपण हेतु ठोस पहल की जाएगी। इस हेतु बजट में **राशि 61 करोड़ रुपए** का प्रावधान किया गया है।

22. हम मुख्य मार्गों और सड़कों में लगने वाले बाजारों को जन सुविधा का ध्यान रखते हुए व्यवस्थित करेंगे, जिससे शहर सौंदर्यता बढ़े और यातायात पर भी कोई नकारात्मक प्रभाव न पड़े।

" कोई न हो उदास तो समझो बसंत है,
हर घर में हो उल्लास तो समझो बसंत है,
जो कंठ तरसते रहे पानी को हमेशा,
बुझ जाए उनकी प्यास तो समझो बसंत है। "

जल आवर्धन योजना विस्तार के लिए :–

23. शुद्ध पेयजल हर नागरिक का मौलिक अधिकार है। रायपुर नगर निगम इस जिम्मेदारी को पूरा करने हर घर को **शुद्ध पेयजल की उपलब्धता** सुनिश्चित करेगा। इस दिशा में पहल कर हर घर को स्वच्छ पानी उपलब्ध कराने के साथ ही साथ आवश्यकता अनुरूप नये जलागार निर्माण व पुराने कुओं का संरक्षण किया जाएगा।

24.अमृत मिशन योजना में छुटे हुए टंकियों के कमाण्ड एरिया में पैकेज 06 कमाण्ड एरिया अंतर्गत जरवाय, गोगांव, कबीर नगर, सरोना, दीनदयाल उपाध्याय नगर, अमलीडीह एवं चंगोराभांठा तथा पैकेज 07 के कमाण्ड एरिया में लाभांडी, फुन्डहर, सड्डू, मोवा, कोटा, खम्हारडीह, दलदल सीवनी एवं भांठागांव में प्रस्तावित कार्य वर्ष 2017 के सर्वे के आधार पर पीएचई एसओआर. 2020 के अनुसार राशि रू. 311.33 करोड़ का तैयार किया गया था। वर्तमान बसाहट एवं आवश्यकतानुसार पुनः सर्वे कराकर परियोजना तैयार की जावेगी।

25.चिंगरी नाला महादेव घाट के पास दूषित जल ओव्हरफ्लो होकर नदी में समाहित हो रहा है, जिस पर निरीक्षण उपरांत निर्मित वियर की उचॉई बढ़ाने एवं नाला की लाइनिंग कार्य हेतु राशि रू. 18.00 करोड़ प्रस्तावित कर कार्य कराया जावेगा।

26.60 एमएलडी अतिरिक्त एसटीपी का निर्माण निमोरा में राशि रू. 122.24 करोड़ का प्रस्तावित किया गया है, जिससे खारून नदी में कोई भी दूषित जल सम्मिलित ना हो।

27.लाभांडी एवं फुन्डहर में टंकी का निर्माण कार्य किया जा चुका है उनके राईजिंग लाईन, डिस्ट्रीब्युशन लाईन एवं घरेलु नल कनेक्शन का कार्य किया जाना है, जिस हेतु 15वें वित्त आयोग एवं अन्य मद से उक्त कार्य कराया जावेगा।

28.आईएसबीटी, ठक्करबापा वार्ड एवं खमतराई में राशि रूपए 19.61 करोड़ की लागत से उच्च स्तरीय जलागार का निर्माण होगा, जिससे कि उन क्षेत्रों में पेयजल परेशानियों को रोका जा सके।

29.अमृत मिशन योजना के अंतर्गत तीन स्थानों में 200 एमएलडी एवं आवास एवं पर्यावरण विभग के योजनांतर्गत एक स्थान में 06 एमएलडी इस प्रकार कुल 206 एमएलडी एसटीपी में 185 एमएलडी शोधित जल को उपचारित कर औद्योगिक क्षेत्रों में उपयोग में लाया जाएगा।

शहरी स्वच्छता में नवाचारों के तहत :–

30.रायपुर नगर निगम में जन शिकायतों के निराकरण व नागरिक सुझावों के अनुरूप शहर विकास गतिविधियों को बढ़ावा देने त्वरित व **प्रभावी संचार तंत्र विकसित** किया जाएगा एवं टोल फ्री सेवाओं के जरिए पेयजल, सफाई, सड़क रोशनी, अतिक्रमण

निपटारे जैसी बुनियादी सेवाओं को **जीरो टॉलरेंस की नीति** में शामिल कर इसका निराकरण किया जाएगा। हर घर पर स्वच्छता मापदंड निर्धारित की जाएगी, रात्रिकालीन सफाई व्यवस्था को सुदृढ़ किया जाएगा तथा स्मार्ट वेस्ट मॉनिटरिंग सिस्टम तैयार किया जाएगा। तालाबों की स्वच्छता के लिए प्रभावी प्रणाली तैयार कर एस.टी.पी. से जोड़ने की दिशा में योजना का क्रियान्वयन होगा।

वरिष्ठ नागरिको की सुविधाओं को बढ़ावा देने हेतु :–

31. वरिष्ठ नागरिकों के आमोद–प्रमोद व वार्तालाप एवं सामूहिक मेल–जोल के लिए बनें **बापू की कुटिया का समुचित संचालन/संधारण** किया जाएगा। इसके अलावा विभिन्न उद्यानों व सार्वजनिक स्थलों में बनें **ओपन जिम का उचित रख–रखाव** सुनिश्चित किया जाएगा। पेंशन योजनाओं व अन्य कार्यक्रमों से वरिष्ठजनों को जोड़ने व शासकीय योजनाओं का सुगमतापूर्वक लाभ दिलाने **"स्पेशल सेल"** संचालित किए जाएंगे।

शिक्षा के लिए :–

32. शिक्षा के क्षेत्र मे बढावा दिये जाने हेतु नवीन लाईब्रेरी भवन का निर्माण कार्य कराया जावेगा जिसमे युवाओ को पढने–लिखने हेतु शांत वातावरण मिल सके। इस हेतु पूर्व से संचालित लाईब्रेरी मे विद्यार्थियो की आवश्यकता अनुरूप सुधार एवं विकास कार्य कराये जायेगें।

मुक्तिधाम मे आवश्यक व्यवस्था के संबंध में :–

33. रायपुर शहर में बनें सभी मुक्तिधाम को व्यवस्थित किया जाएगा। अंतिम संस्कार की प्रक्रिया सुगम व सम्मानजनक हो, परिजनों को असुविधा न हो, इसके लिए **मुक्तिधाम में नियमित सफाई, आवश्यकतानुसार शेड निर्माण, बुनियादी सुविधाओं के तहत पेयजल, रोशनी, प्रसाधन आदि की समुचित व्यवस्था** सुनिश्चित की जाएगी।

पर्यावरण संरक्षण के लिए :–

34. **पर्यावरण संरक्षण व वृक्षारोपण को प्राथमिकता** दी जाएगी। इस हेतु वर्तमान बजट में **लगभग रु. 10 करोड़** का प्रावधान किया गया है। प्रदूषण नियंत्रण कारकों का पालन सुनिश्चित किया जाएगा। स्वच्छता पर विशेष फोकस होगा तथा मौसमी, जल जनित बीमारियों के रोकथाम हेतु स्वास्थ्य एवं पर्यावरण विभाग के साथ समन्वय कर ठोस रणनीति पर कार्य किया जाएगा। सार्वजनिक स्थलों व मार्गों पर विचरण करने वाले आवारा पशुओं एवं कुत्तों से होने वाली दुर्घटनाओं को रोकने ठोस कदम उठाए जाएंगे तथा रायपुर को **रेबीज़ मुक्त शहर** के तौर पर चिन्हित किया जाएगा। कुत्तों के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए बधियाकरण/टीकाकरण के लिये अतिरिक्त स्थान/चिकित्सक उपलब्ध करवाया जाएगा।

35. निगम कार्यालय में संस्थागत सुधार हेतु वित्तीय प्रबंधन सिस्टम, होर्डिंग प्रबंधन सिस्टम, और प्रोजेक्ट प्रबंधन सिस्टम को लागू किया जाएगा, इसके तहत ई–फाइलिंग व एप्प के माध्यम से मॉनिटरिंग होगी ताकि कार्य में पारदर्शिता, गुणवत्ता और कार्यक्षमता में वृद्धि हो सके।

36. नगर निगम रायपुर के वार्डो के विकास कार्यो हेतु सिटी डेवल्पमेंट प्लान के अंतर्गत वार्ड एक्शन प्लान बनाये जायेगें। जिससे वार्डो का सुसंगठित विकास कार्य कराया जा सके। हर वार्ड में स्थानीय आवश्यकताओं के अनुसार विकास कार्य किए जाएंगे।

37. शहर के 07 प्रमुख द्वारों पर म्युरल साईनेज का निर्माण कार्य कराया जावेगा जिससे शहर के प्रवेश को और आकर्षक और पहचान मिल सके।

38. शहरी स्वच्छता किसी भी शहर की एक बड़ी पहचान बनती है, भारत सरकार प्रत्येक वर्ष स्वच्छता रैंकिंग भी जारी करती है। रायपुर शहर अन्य महानगरों की तरह स्वच्छता व अन्य मापदंडों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करे इसके लिए उपलब्ध संसाधनों के बेहतर प्रबंधन व नवाचारों से शहर की साफ–सफाई की माइक्रो मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जाएगी। शहर के मुख्य मार्गों में यांत्रिक पद्धति से की जा रही सफाई व्यवस्था का विस्तार किया जाएगा एवं प्रमुख मार्गों में मैकेनिकल स्वीपिंग को

बढ़ावा दिया जाएगा, इसके साथ ही इन मार्गों में कार्यरत मानव बल का उपयोग आंतरिक मार्गों एवं गलियों की सफाई व्यवस्था को सुदृढ करने में किया जाएगा।

39. रात्रिकालीन सफाई व्यवस्था को सुदृढ किया जाएगा एवं शहर की सफाई व्यवस्था की सतत् मॉनिटरिंग सुनिश्चित किया जाएगा।

40. रायपुर शहर की पहचान यहां के तालाब हैं, इन तालाबों को शहर के धरोहर के तौर पर सहेजने की शुरूआत की जाएगी। तालाबों में जलकुंभियां एक बड़ी समस्या के रूप में देखी जा रही है, इन जलकुंभियों का उन्मूलन करने हेतु मशीनों का उपयोग किया जाएगा एवं तालाबों के संरक्षण संवर्धन व सौंदर्यीकरण पूरी प्राथमिकता से किए जाएंगे।

41. मच्छर बीमारियों के कारक बनते हैं, इसके प्रकोप से शहरवासियों को निज़ात दिलाने खुली नालियों को ढकने की कार्य योजना पर काम शुरू किया जाएगा। इसके अलावा एंटीलार्वा व दवाओं के नियमित छिड़काव की जाएगी। दवा की गुणवत्ता व इसके छिड़काव के अंतराल की अब नियमित निगरानी भी की जाएगी एवं इसके लिए एक पूरा प्रभावी तंत्र विकसित किया जाएगा।

42. शहरी स्वच्छता व सफाई से जुड़े सफाई कर्मियों के कार्य को सम्मान देने एवं उनके उत्कृष्ट कार्यों की सराहना महत्वपूर्ण है। इसके लिए सेवारत सफाई मित्रों, स्वच्छता दीदियों को उनके कार्य की उत्कृष्टता के आधार पर सम्मानित करने व प्रोत्साहन राशि देने का प्रावधान किया है।

43. स्वास्थ्य कैम्प आयोजित होंगे एवं ख्यातिलब्द्ध चिकित्सकों को आमंत्रित कर आम नागरिकों को निःशुल्क चिकित्सीय सुविधाएं व परामर्श उपलब्ध करया जाएगा।

44. सेनेटरी पैड मशीन एवं इंसीनरेटर की व्यवस्था महिला अधिकारी/कर्मचारियों को ध्यान में रखकर मुख्यालय/जोन स्तर पर किया जायेगा, जिसका रखरखाव/संचालन महिला स्व सहायता समूह के द्वारा किया जायेगा।

45. नगर निगम में उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं के लिये माताओं/बच्चों को निगम कार्यालय में आना होता है एवं साथ–साथ कार्यरत महिला अधिकारियों/कर्मचारियों की संख्या भी अधिक है, जो अपने साथ छोटे बच्चों को लेकर आती हैं। इसके लिये

नगर पालिक निगम, रायपुर मुख्यालय में **''बेबी फीडिंग सेंटर''** की स्थापना की गई है, इसका नियमित व्यवस्थित संचालन व समुचित संधारण सुनिश्चित किया जाएगा।

46. नगर निगम में कार्यरत **''150''** स्वच्छता दीदियों को शासन के अन्य योजनाओं से जोड़ा जायेगा, साथ ही उनको ''**यूनिफॉर्म''** प्रदाय किया जावेगा।

47. आम नागरिकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए जल्द ही **'' ऑनलाईन टोकन सिस्टम''** लागू किया जाएगा एवं **''मोर संगवारी''** ऐप के माध्यम से घर बैठे जन्म, मृत्यु, विवाह प्रमाण पत्र प्रदाय करवाया जायेगा।

48. स्वच्छ रायपुर की संकल्पना नागरिकों के सहयोग के बिना नहीं की जा सकती है अधिक से अधिक नागरिकों को स्वच्छता में सहभागिता हेतु विशेष सेल बनाकर वर्षभर इससे संबंधित प्रयास किए जाएंगे जिसमें महिलाओं, स्कूली बच्चों, व्यवसायियों सभी को इस अभियान से जोड़ा जाएगा।

49. बड़े व्यवसायिक और आवासीय परिसर अपने कूड़े का खुद निष्पादन करें इसके लिए प्रयास किया जाएगा।

50. STP से शोधित सीवेज जल का शुद्धिकरण कर अब इसका औद्योगिक उपयोग सुनिश्चित किया जाएगा। जिससे एक ओर शुद्ध जल के अपव्यय को रोका जा सकेगा, साथ ही शोधित जल का विक्रय कर नगर निगम के राजस्व आय में वृद्धि की जाएगी।

51. निर्माण कार्यों से निकलने वाले अपशिष्ट से होने वाले प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए भवन निर्माताओं प्रावधान निर्धारित कर इसे प्रभावी तरीके से क्रियान्वित किया जाएगा।

52. महानगर का आकार ले रहे रायपुर शहर में कचरे के उचित प्रबंधन हेतु नए ट्रांसफर स्टेशन व सेकेंडरी पॉइंट चिन्हित किए जाएंगे।

53. सार्वजनिक व धार्मिक स्थलों में प्रसाधन व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। इसके तहत **राशि रूपए 3 करोड़ 10 लाख** सर्वसुविधायुक्त 13 नग **आकांक्षीय** (Aspiration) **"मॉडर्न" प्रसाधन गृह** निर्मित किए जाएंगे।

54. रायपुर शहर में आवागमन को सुव्यवस्थित करने अंर्तविभागीय पहल की जाएगी।

55.गीले कचरे से **कम्प्रेस्ड बॉयो गैस (सीबीजी)** बनाये जाने हेतु इस वित्तीय वर्ष में कार्य शुरू होगा। इस प्रोजेक्ट के शुरू हो जाने से गीले कचरे के निष्पादन की ठोस व्यवस्था रायपुर में प्रारंभ होगी।

56.विगत वर्षो में रायपुर नगर निगम के सीमा क्षेत्र एवं जनसंख्या में निरंतर बढ़ोत्तरी हो रही है, तथा रायपुर शहर का विकास मेट्रो शहर के रूप में हो रहा है। जिसको ध्यान में रखते हुए रायपुर शहर के नागरिको को सहज, सुलभ एवं आधुनिक यातायात सुविधा प्रदान करने एवं पर्यावरण संरक्षण की दृष्टि से प्रधानमंत्री ई–बस सेवा के अंतर्गत रायपुर शहर में 100 वातानुकुलित इलेक्ट्रिक सिटी बस का संचालन शुरू किया जावेगा। रायपुर शहर के लिए प्राप्त होने वाली इन **100 ई–बस** का संचालन हेतु रूट का सर्वे किया जाकर आवश्यकतानुसार अतिरिक्त नवीन ए.सी. बस स्टॉप का निर्माण किये जाने की कार्यवाही भी पृथक से की जावेगी।

57. इस योजना से रायपुर शहर के नागरिको को रियायत दरों पर यातायात की सुविधा प्राप्त होगी, साथ ही स्वच्छ वायु गुणवत्ता बनाए रखने की दिशा में बड़ा कदम होगा।

58.**प्रधानमंत्री ई–बस सेवा** कार्य योजना के अंतर्गत वर्ष 2025–26 में जरवाय स्थित 2.02 हेक्टेयर आबंटित भूमि पर रू. 14.33 करोड़ लागत से बस डिपो निर्माण एवं **रू. 12.27 करोड़** लागत से इलेक्ट्रिक इन्फ्रास्ट्रक्चर का निर्माण पूर्ण कर यातायात की दृष्टि से सभी बस रूट का सर्वे कराकर सिटी बसों का संचालन शुरू किया जाएगा।

59.राजस्व वसूली के लिए **डोर–टू–डोर** सघन सर्वे हेतु एजेंसी नियुक्त की जाएगी, जिसका भुगतान Performance Based Payment System आधारित होगा जिस पर नगर निगम को कोई अतिरिक्त आर्थिक भार नहीं आएगा। जो टीम सर्वे और कलेक्शन करेंगे वो जब एक निर्धारित राजस्व स्लैब पर पहुचेंगे तभी उनके द्वारा किये गये कलेक्शन का निर्धारित अंश उन्हें दिया जायेगा।

60.राजस्व वसूली सिस्टम को पारदर्शी बनाया जाएगा, जिससे कि इनकम टैक्स की तरह हर व्यक्ति स्वयं गणना कर भुगतान कर सकेंगे।

61. शहरी बाजारों व व्यावसायिक परिसरों के रिक्त दुकानों हेतु निर्धारित वर्तमान नियम शर्तों में आवश्यक सुधार किया जाएगा जिससे कि इनकी उपयोगिता सुनिश्चित हो सके।

62. प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत शहरी आवासहीनों को स्वयं का आशियाना दिलाने के लिए नगर निगम प्रभावी पहल करेगा। इसके तहत बी.एल.सी. योजना के अंतर्गत 504 नए मकान पूर्ण किए जाएंगे।

63. प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत ए.एच.पी. में 1508 मकान पूर्ण किए जाएंगे एवं अब तक अनाबंटित 1258 का आबंटन किया जाएगा।

64. इस वर्ष वित्त के माध्यम से बॉन्ड जारी किया जाएगा, जिसे नियमानुसार सेबी मे रजिस्टर किया जाएगा। वित्तीय प्रबंधन में सुधार कार्य के तहत एफएमएस साफ्टवेयर तैयार किया गया है जिससे वित्तीय अनुशासन एवं पारदर्शिता से इस विभाग मे कार्यो का संपादन सुनिश्चित होगा।

65. नगर निगम के सभी अधिकारी–कर्मचारी योजनाओं के क्रियान्वयन व नागरिकों तक जनसुविधाएं सुलभ कराने में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करते हैं। कार्य के दौरान उनके कार्यों को पूर्ण सम्मान मिले तथा कार्य क्षेत्र में वे अपने दायित्वों का शांति पूर्वक पूर्ण सौहार्द के साथ उत्साह जनक वातावरण में कार्य कर सकें यह सुनिश्चित किया जाएगा। मृतक कर्मचारियों के 125 पात्र आश्रितों को अनुकंपा नियुक्ति हेतु शासन से पत्राचार कर पद की मांग की गई है, शासन द्वारा पद स्वीकृति उपरांत अनुकंपा नियुक्ति की कार्यवाही की जाएगी। अधिकारी–कर्मचारियों के पदोन्नति समयमान, वेतनमान व शासन द्वारा प्रदत्त सुविधाओं का त्वरित लाभ सुनिश्चित किया जाएगा।

66. नगर पालिक निगम रायपुर की नवीन पदसंरचना हेतु शासन को प्रस्ताव प्रेषित किया गया है।

67. नगर निगम के विद्युत विभाग द्वारा राशि **रू. 5.89 करोड़** की लागत से शहर के प्रमुख 09 खेल मैदानों में **प्रकाश व्यवस्था** की जाएगी।

68. भाठागांव शीतला चौक से महादेव घाट रायपुरा तक एवं एन.एच.53 रोड से अग्रसेन धाम होते हुये वीआईपी रोड तक **राशि रू. 128.44 लाख़** की लागत से **विद्युत पोल एवं एलईडी लाईट** लगाई जाएगी।

69. बी.एस.एन.एल आफिस मोवा से ऐश्वर्या विंडमील रोड तक एवं अटारी रोड (चंदनीडीह एसटीपी रोड) तक राशि **रू. 106.34 लाख़** की लागत से **विद्युत पोल एवं एलईडी लाईट** स्थापित की जाएगी।

70. सांईस सेंटर के पीछे से रिंग रोड नं. 03 तक एवं मोवा मुख्यमार्ग से अशोका आईकॉन तक जाने वाली रोड में राशि **रू. 128.87 लाख** की **विद्युत पोल एवं एलईडी लाईट** स्थापित की जाएगी।

71. विद्युत विभाग द्वारा शहर के बाह्य क्षेत्रों के रिक्त पोलों में **रू. 1.48 करोड़** की **समुचित प्रकाश व्यवस्था** की जाएगी।

72. शहर में हो रहे अनाधिकृत/अवैध निर्माण के विरूद्ध नगर पालिक निगम, रायपुर द्वारा निरंतर एवं कठोर कार्यवाही की जा रही है। कार्यवाही हेतु नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 के प्रावधानों के अनुसार नियमानुसार नोटिस दिये जाने की कार्यवाही को ऑनलाईन किया जा रहा है इस हेतु एक विशेष पोर्टल तैयार किया जा रहा है जिससे निर्धारित समयावधि में स्वतः नोटिस जारी होगी।

73. शहर के व्यस्ततम मार्गो में यातायात के बढ़ते दबाव के कारण ट्रेफिक जाम की स्थिति से बचने हेतु चौक–चौराहे पर मार्ग को बाधित करने वाले निर्माण को चिन्हांकित कर मार्ग चौड़ीकरण के प्रस्ताव तैयार किये जा रहे है। उक्त कार्य हेतु यातायात विभाग से निरंतर सहयोग भी लिया जा रहा है।

74. शहर के प्रमुख व्यावसायिक मार्ग में आवागमन व्यवस्थित रखने अवैध अतिक्रमण करने वालों पर प्रभावी कार्यवाही की जाएगी।

75. सड़क पर निर्माण सामाग्री रखने, मार्ग में अतिक्रमण के विरूद्ध चालानी कार्यवाही करने हेतु एप्प तैयार किया गया है जिससे निरंतर चालानी कार्यवाही की जावेगी।

76. रायपुर शहर में भू–जल का स्तर निरंतर गिरता जा रहा है। इस दिशा में भी नगर पालिक निगम, रायपुर द्वारा निरंतर कार्य किया जा रहा है। इस क्रम में जन भागीदारी के तहत् शहर के कॉलोनाईजरों द्वारा नगर पालिक निगम, रायपुर के

सहयोग से लगभग नौ सौ रिचार्ज पिट आधुनिक पद्धति से तैयार किये गये। नगर पालिक निगम, रायपुर के उक्त प्रयास की सराहना भारत सरकार द्वारा भी की गई। आगामी वर्षा ऋृतु के पूर्व नये लक्ष्य निर्धारित कर भू–जल संरक्षण की दिशा में कार्य किया जायेगा।

77. शहर में विज्ञापन व प्रचार–प्रसार हेतु स्थापित विभिन्न प्रकार के होर्डिग, एल.ई.डी. अथवा अन्य माध्यमों से नगर पालिक निगम, रायपुर को राजस्व की प्राप्ति होती है। उपरोक्त कार्यो का क्रियान्वयन Manually किया जाता है, जिससे मानव त्रुटि की संभावना बनी रहती है। उक्त प्रणाली को सूचारू, सरल व पारदर्शी बनाने तथा मानवीय हस्ताक्षेप को सीमित रखने के उद्देश्य से ऑनलाईन होर्डिग मैनेजमेंट सिस्टम तैयार किया जा रहा है। उक्त प्र.ाली से विज्ञापनकर्ता एजेंसियों एवं व्यापारियों को विज्ञापन कार्य में सुविधा होगी एवं विज्ञापन कार्य का संचालन सुचारू रूप से किया जायेगा।

78. रायपुर शहर के लिए नवीन विज्ञापन पॉलिसी तैयार की है। उक्त पॉलिसी के द्वारा नवीन विज्ञापन मीडिया को सम्मिलित करते हुए विज्ञापन की दरों में वृद्धि की गई है जिससे निगम के राजस्व में बढ़ोत्तरी होगी। उक्त पॉलिसी के तहत् विज्ञापन अनुमति प्रदान करने की प्रक्रिया को ऑनलाईन किया जा रहा है साथ ही होर्डिग से किसी भी प्रकार की दुर्घटना न हो इस हेतु प्रोविजनल अनुमति प्रदान करने के उपरांत स्ट्रक्चर की जांच करने के बाद ही अंतिम अनुमति जारी करने का प्रावधान किया गया है। साथ ही स्ट्रक्चर की सेफ्टी हेतु विशेष प्रावधान किये गये है।

79. शहर के विभिन्न हिस्सों में अवैध प्लाटिंग के विरूद्ध नियमानुसार कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में अवैध कालोनी निर्माण की भूमि का प्रबंधन नियमानुसार अधिग्रहित कर उन क्षेत्रों के लिये योजना तैयार कर विकास किया जायेगा।

80. अनाधिकृत निर्माण के ऐसे प्रकरण जो की राजीनामा की श्रेणी में आते है उनका नियमानुसार राजीनामा कर निगम के राजस्व में बढ़ोत्तरी की जावेगी। राजीनामा हेतु शासन द्वारा निर्धारित प्रक्रिया को सरल करने हेतु प्रस्ताव तैयार कर शासन को भेजा जावेगा जिससें की निकाय स्तर पर लंबित प्रकरणों का त्वरित निराकरण किया जा सकेगा।

81. शहर विकास गतिविधियों में आम नागरिकों, स्वयंसेवी संस्थाओं व सामाजिक संगठनों की भागीदारी ली जाएगी।

82. धार्मिक एवं ऐतिहासिक महत्व के स्थानों के संरक्षण व प्रचार–प्रसार पर जोर दिया जाएगा। इस हेतु **राशि रूपए 20 लाख** का प्रावधान किया गया है।

" मुझसे ना पूछना कि मेरी मंजिल कहाँ है,
अभी तो मैंने बस इरादा किया है,
इतना यकीन है कि हारूँगी नहीं,
क्योंकि मैंने किसी और से नहीं,
बल्कि खुद से ये वादा किया है।। "

आइए, रायपुर के नागरिकों ने जिस उत्साह, उमंग व आस्था के साथ हम सभी को रायपुर के स्वर्णिम विकास की महती जिम्मेदारी सौंपी है, उसे पूरा करने के लिए एकजुट होकर अपना योगदान दें और देश के सर्वश्रेष्ठ शहर के रूप में रायपुर की आभा पूरी दुनियां में बिखेरे।

इन्हीं शब्दों के साथ मैं अपनी वाणी को विराम देती हूँ।

धन्यवाद...

जय हिन्द, जय छत्तीसगढ़

मीनल चौबे

महापौर,

नगर पालिक निगम, रायपुर